



Estd-1959

# सुरांगन

( संगीत, नृत्य एवं नाट्य संस्थान )

संस्थापक - विश्वबन्धु (नेशनल टैगोर सम्मान प्राप्त)

सचिव एवं क्रिएटिव निर्देशक

जीतेन्द्र कुमार (उस्ताद बिस्मिल्लाह खान सम्मान प्राप्त)

Address - Lal Bagh Bhikhna Pahadi Patna -6

Email- id [suranganpatna@gmail.com](mailto:suranganpatna@gmail.com)

Mob No.- 9304836246 | 6205215175



surangan patna

# सुरांगन : एक परिचय

बिहार के विलुप्त होती लोक गाथाओं एवं संस्कृतियों को पुनर्जीवित करने तथा नृत्य एवं संगीत के उत्थान के उद्देश्य से सांस्कृतिक संस्था सुरांगन की स्थापना दिसंबर 1959 को हुई थी। इसका प्रथम कार्यक्रम लंगट सिंह कॉलेज मुजफ्फरपुर की हीरक जयंती के अवसर पर हुआ था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। इस संस्था द्वारा देश एवं विदेशों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लगभग 6000 से अधिक प्रदर्शन हो चुके हैं। सन् 1962 के कांग्रेस अधिवेशन में ग्रामीण विकास पर आधारित नृत्य नाटिका "ये भारत के गांव" की प्रस्तुति की गई जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू की सराहना प्राप्त हुई। चीनी आक्रमण के समय नृत्य नाटिका ई हमर हिमालय का प्रदर्शन संपूर्ण भारतवर्ष में जन जागृति एवं जन चेतना लाने के लिए किया गया तथा इसकी प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा कोष को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया था। सामाजिक सरोकारों के तहत संस्था द्वारा विभिन्न सामाजिक मुद्दों जैसे प्रदूषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण, एड्स, पोलियो, मतदान, रक्तदान, बाल श्रम, बालिका शिक्षा, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार आदि विषयों पर नुक्कड़ नाटक तथा नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति होती रही हैं। नृत्य एवं संगीत की परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए संस्था द्वारा युवक युवतियों को शास्त्रीय, लोक एवं सृजनात्मक नृत्य शैली का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। इस संस्था से जुड़े कलाकार विभिन्न टीवी चैनलों, फिल्म, सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय में अच्छे पदों पर आसीन हैं और प्रतिष्ठित रूप से जीवन यापन कर रहे हैं। सुरांगन की यात्रा अपने समुचित प्रयासों, उत्साह और ऊर्जा के साथ निरंतर जारी है। अपने उद्देश्य को प्राप्त करने एवं कला के संरक्षण संवर्धन के लिए यह संस्था सतत प्रयत्नशील है।

## संबद्धता :-

- \* रीजनल आउटरीच ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
- \* संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
- \* भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
- \* संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
- \* उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज
- \* पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता
- \* दूरदर्शन केंद्र, पटना
- \* कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार
- \* सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार

## महत्वपूर्ण प्रस्तुतियां -:

यह भारत के गांव 1959 | पुरुष प्रकृति 1960 | ई हमर हिमालय 1962 | अगहन के भोर 1963  
लोहे का चक्का 1965 | इंसान की खोज 1970 | मानव मानव एक समान 1972 | मेहनत की जीत 1974  
चाय बागान 1977 | राम रहीम 1978 | तिलोत्तमा 1998 | ई हमर हिमालय 1999 |  
हिरन हिरनी 2000 | कुंज भवन सयं निक्सली रे 2001 | शांति की चाह बुद्ध की राह 2002 (भगवान  
बुद्ध के विचारों पर आधारित) | बोधि लाभ 2005 (भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित)  
डोमकच 2006 | कमला पूजा षट चक्र अग्नि नृत्य 2007 | जट जटिन 2008 | झिझिया 2009  
धरती गाती है 2010 | बिहार दर्पण 2010 (बिहार के ऐतिहासिक राजनीतिक धार्मिक तथा सांस्कृतिक  
चित्रण) | बारहमासा 2011 (बिहार में होने वाले तीज त्योहार की झलक)  
चित्रांगदा 2012 (रवींद्र नाथ टैगोर की रचना) | कोशा 2013 (पटलीपुत्र की नगर वधू के जीवन पर  
आधारित) | चंदनबाला 2015 (भगवान महावीर की पहली शिष्या के जीवन पर आधारित)  
जिंदगी चले रफ्तार से 2016 (कैंसर के मरीजों के साथ) | होप फॉर लाइफ 2020 (कोरोना के समय में  
ऑनलाइन प्रस्तुति) | योग लयम 2021 (कोरोना के समय में ऑनलाइन प्रस्तुति)  
बटोहिया नाटक 2022 (भिखारी ठाकुर के नाटक विदेशिया से अभिप्रेरित)  
प्रेम रस बुंदन 2022 (महाकवि विद्यापति के गीतों पर आधारित)  
ऑपरेशन कैक्टस लिली 2023 (1971 भारत पाक युद्ध पर आधारित) | वसुधैव कुटुम्बकम् 2024

## प्रमुख कार्यक्रम

बौद्ध महोत्सव - सारनाथ, बौद्ध महोत्सव - बोधगया, कटिहार महोत्सव, मिथिला महोत्सव, नंदनगढ़ महोत्सव, विश्वामित्र महोत्सव,  
दीप महोत्सव - अंडमान निकोबार, वैशाली महोत्सव, राजगीर महोत्सव, विक्रमशिला महोत्सव, कटिहार महोत्सव, चंपारण महोत्सव, गंगा  
महोत्सव - बनारस, फोक इंटरनेशनल फेस्टिवल - केरल, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला - नई दिल्ली, लोक कला उत्सव - चंडीगढ़, रंगोली  
उत्सव - गुवाहाटी, अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला - सूरजकुंड गणतंत्र दिवस लोक नृत्य समारोह - नई दिल्ली, जगन्नाथ महोत्सव - पूरी,  
बिहार महोत्सव - गुवाहाटी, बिहार महोत्सव - कोलकाता, बिहार महोत्सव - गोवा, बिहार महोत्सव - इलाहाबाद।

**विभिन्न परियोजनाओं पर आधारित कार्यक्रम जो विभिन्न सरकारी कार्यालयों के माध्यम से बिहार के विभिन्न जिलों में संपन्न किये गए।**

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन इंद्रधनुष (टीकाकरण अभियान), वित्तीय जागरूकता अभियान, पोषण अभियान, एड्स, कैंसर जागरूकता अभियान, पल्स पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम, जनसंख्या नियंत्रण, दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह, कृषि विकास, ग्रामीण विकास, आयोडीन युक्त नमक सेवन, शुद्ध पेयजल, मतदाता जागरूकता अभियान, आयुष्मान भारत, कोविड टीकाकरण।

वन ड्रॉप फाउंडेशन कनाडा तथा वाटर ऐड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में SABC (Social Art for Behaviour Change) कार्यक्रम के माध्यम से गया तथा मधुबनी जिले के 82 गावों में नुक्कड़ नाटक, जट-जटिन, पमरिया, डोमकच, लोकगीत, मिथिला चित्रकला, सिक्की कला, शॉर्ट फिल्म, जादू तथा आर्ट क्राफ्ट के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं तथा बच्चों को साबुन से हाथ धोने के लिए जागरूक करने का कार्य तथा कला के माध्यम से लगभग 70 स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया गया।

## सुरांगन द्वारा प्रमुख आयोजन

उदय शंकर बैले फेस्टिवल 2016

उदय शंकर डान्स फेस्टिवल 2017

उदय शंकर डांस फेस्टिवल 2018

उदयांश 2020

उदय शंकर डांस फेस्टिवल 2021

लोकोत्सव 2015

लोकोत्सव 2017

## प्रमुख माननीय दर्शक

डॉ राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, जयप्रकाश नारायण, श्री कृष्ण सिंह, श्री कृष्ण बल्लभ सहाय, जगन्नाथ मिश्र, दरोगा प्रसाद राय, रामेश्वर सिंह कश्यप, डॉक्टर जाकिर हुसैन, मोइनुल हक, फखरुद्दीन अली अहमद, डॉक्टर चतुर्भुज, डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम, ए.आर कीदवई, बूटा सिंह, श्री देवानंद कुंवर, मृदुला सिन्हा, सीताराम केसरी, नलिन विलोचन शर्मा, बेगम अख्तर, अलाउद्दीन खान, सुमित्रानंदन पंत, रामधारी सिंह दिनकर, विंध्यवासिनी देवी, रामगोपाल शर्मा, रूद्र आचार्य, शिवपूजन सहाय, गोपाल सिंह नेपाली, डॉ धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी, गिरिजा देवी, सुल्तान अहमद, रामनाथ कोविंद, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, सुशील मोदी, श्री श्री रविशंकर जी महाराज

## कुछ खास बातें

- \* कांग्रेस अधिवेशन 1962 के समय "ये भारत के गांव" नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गई भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समक्ष
- \* चीनी आक्रमण 1962 के समय "ई हमर हिमालय" नृत्य नाटिका की प्रस्तुति के माध्यम से चंदा इकट्ठा कर राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में दिया गया।
- \* मॉरीशस के प्रधानमंत्री श्री नवीन चंद्र रामगुलाम जी के विशेष आमंत्रण पर "बिहार गौरव गान" की प्रस्तुति में अधिकांश कलाकार गीतकार संगीतकार तथा नृत्य निर्देशक सुरांगन के ही रहे हैं।
- \* बिहार विधानसभा के शताब्दी वर्ष के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के सम्मान समारोह में "बिहार गौरव गान" की प्रस्तुति।
- \* पटना दूरदर्शन के रजत जयंती समारोह के अवसर पर शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति।
- \* नृत्य एवं संगीत की परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए संस्था द्वारा युवक-युवतियों को शास्त्रीय एवं लोक नृत्य गायन एवं वादन का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

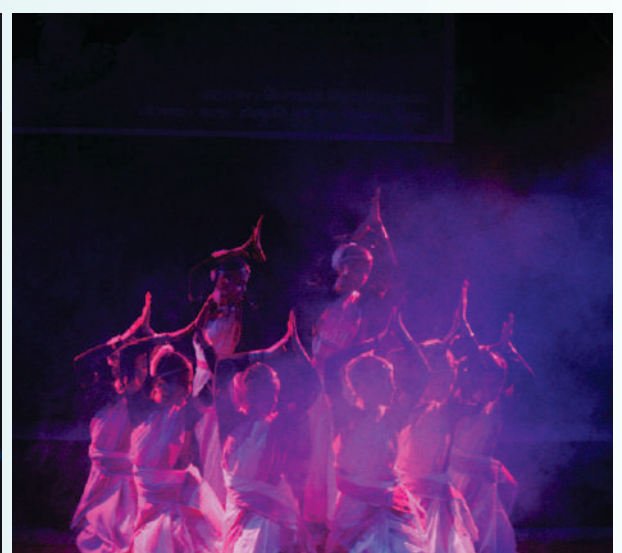
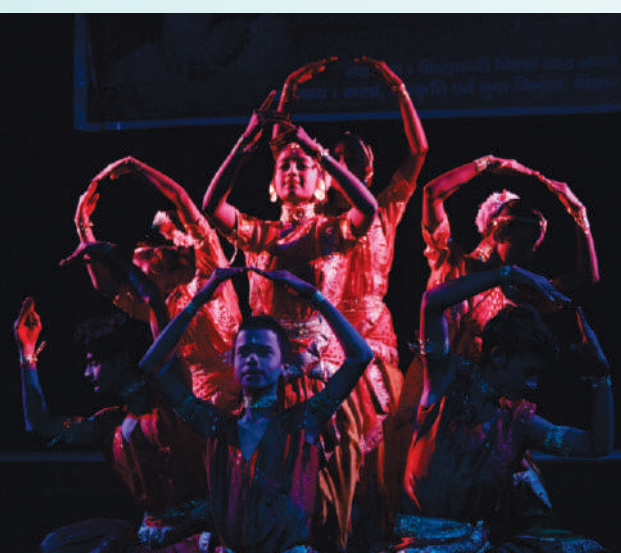


# Glimpses of our programme





# Glimpses of our programme





# हिन्दुस्तान

21

बोले-बिहार के लोग कापी मिलनसार, बिहार की संस्कृति से हुए परिचित  
दोल-मगाड़े और फूलों से हूआ स्वागत, आनंदित दिखे सभी विदेशी मेहमान

बिहार पुरातन में भारत की किसी देशीय कला में उदात्त समुचित अंशदान के रूप में प्रमुख स्थिति कायम है।

बिहार के लोग कापी मिलनसार, बिहार की संस्कृति से हुए परिचित  
दोल-मगाड़े और फूलों से हूआ स्वागत, आनंदित दिखे सभी विदेशी मेहमान

# सिटी पटना

बिहारों संस्कृति के मुराद हुए स्विटजरलैंड और जर्मनी के सेलानी  
रंग कलात्मक रूप से सजा कर देखे की तैयारी के दल ने भोजपुर और बिहार सहायता का काया भ्रमण, जानी विगतान

बिहार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बिहार सहायता का काया भ्रमण, जानी विगतान

बिहार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बिहार सहायता का काया भ्रमण, जानी विगतान

# MAISH PATNA

एडगा, सोनहा, 27 दिसंबर, 2021

# Cityभारकर

उदय शंकर नृत्य उत्सव • प्रेमचंद रंगशाला में तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में देशभर के कलाकार

उदय शंकर नृत्य उत्सव • प्रेमचंद रंगशाला में तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में देशभर के कलाकार

# MAISH PATNA

एडगा, सोनहा, 26.12.2018

# नृत्य महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने मोहा मन

नृत्य महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने मोहा मन

# सुरांगन संगीत-नृत्य एवं नाट्य संस्थान का आयोजन

नृत्य महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने मोहा मन

नृत्य महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने मोहा मन

# Cityभारकर

उदय शंकर नृत्य उत्सव • प्रेमचंद रंगशाला में तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में देशभर के कलाकार

उदय शंकर नृत्य उत्सव • प्रेमचंद रंगशाला में तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में देशभर के कलाकार

# हिन्दुस्तान

बाहमसा नृत्य में मंच पर जीवंत हुई सब श्रद्धाएं

बाहमसा नृत्य में मंच पर जीवंत हुई सब श्रद्धाएं

# कण-कण मे प्यार

कण-कण मे प्यार

# शास्त्रीय नृत्य और संगीत से कलाकारों ने बाधा समा

शास्त्रीय नृत्य और संगीत से कलाकारों ने बाधा समा

# Cityभारकर

चित्रांगदा ने की कामदेव की आराधना पर अर्जुन उसके रूप से ज्यादा वीरता का कायल

चित्रांगदा ने की कामदेव की आराधना पर अर्जुन उसके रूप से ज्यादा वीरता का कायल

# नाट्य मंचन

प्रेमचंद रंगशाला और कालिदास रंगशाला में नाटकों का मंचन

प्रेमचंद रंगशाला और कालिदास रंगशाला में नाटकों का मंचन

# संगीत और नृत्य का ऐसा अद्भुत समां की खो गये सभी

संगीत और नृत्य का ऐसा अद्भुत समां की खो गये सभी

# Cityभारकर

गुरुपूर्णिमा पर शास्त्रीय नृत्य से गुरु को सम्मान देकर बच्चों ने लिया आशीर्वाद

गुरुपूर्णिमा पर शास्त्रीय नृत्य से गुरु को सम्मान देकर बच्चों ने लिया आशीर्वाद

# विहारी लाल संस्कृति के रूप में

विहारी लाल संस्कृति के रूप में

# नई दिल्ली • युकाता • 17 फरवरी, 2023

कलाओं के कई रंग, बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कारों के संग

कलाओं के कई रंग, बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कारों के संग

# उदय शंकर नृत्य उत्सव : कोरोना काल में दिवंगत हुए कला विभूतियों को दी गई नृत्य और गीत के माध्यम से श्रद्धांजलि

प्रेमचंद रंगशाला में कई नृत्य देल अभिमत हुए दर्शक

उदय शंकर नृत्य उत्सव : कोरोना काल में दिवंगत हुए कला विभूतियों को दी गई नृत्य और गीत के माध्यम से श्रद्धांजलि

# पटना LIVE

दर्दों को पर छड़ गया डांस फेस्टिवल

दर्दों को पर छड़ गया डांस फेस्टिवल

# हिन्दुस्तान

तस्वीरों को वापस लाना लजबिया

हिन्दुस्तान



# city भास्कर

पुणे, नासिक (२६-०५-१३)

## उदय शंकर नृत्य महोत्सव में 'पावर ऑफ डांस' फिल्म की स्क्रीनिंग हुई



